The Hawk
6-12-2021

Int'l Conf On 'Advances In Chemistry & Biology Of Carbohydrates', IInd Day

Dehradun (The Hawk): Today was the second day of the International Conference on 'Advances in Chemistry and Biology of Carbohydrates' (CARBO XXXV) organized in virtual mode jointly by Chemistry and Bioprospecting Division, Forest Research Institute (FRI), Dehradun and Association of Carbohydrate Chemists and Technologists, India (ACCTI). There were three technical sessions which were comprised of three lectures, 14 oral and 88 poster presentations. Technical session III chaired by Dr. Vikas Rana began with the lecture of Dr. R.M. Mathur, Thapar Institute of Engineering & Technology, Patiala in which he showcased nanocellulose as a promising reinforced material for the paper-making process. Dr. Namakkal G. Ramesh of IIT, Delhi spoke on the synthesis of Janus-faced Homoazanucleosides and study of their self organization through Watson-Crick and Hoogsteen Base pairing. Dr. Soumya Ranjan Purohit, South Dakota State University, USA in his presentation explained relationship between properties of V-type starch crystal and enzyme resistant starch Type V. In the technical session IV chaired by Prof. K.P.R. Kartha, all together 14 oral presentations were made by young researchers in the thematic areas of synthesis, structure elucidation,chemical modification, carbohydrate-based synthesis of nanoparticle, bioprospecting and biorefinary aspects of carbohydrates; of which Manas Jana, University of Alberta, Alberta, Canada and Premeshworii Devi Mabam, IIT, Guwahati were awarded with 'Young Scientist award' for best paper presentation.

The technical session V chaired by Dr. Vasudev Singh, Dr. S.S. Bisht and Dr. K. Murli was dedicated to poster presentations in which total 88 posters were presented. Afterwards the Valedictory Session was conducted which was chaired by Prof. Naveen Khare, President, ACCT(I). The session involved feedback of some of the participants, remarks of ACCTI and finally valedictory speech by the chairman in which he made his comments on the whole conference proceedings and appreciated the endeavors of the organizers. The Conference came to end with the vote of thanks proposed by Dr. Vineet Kumar, Organizing secretary of the conference.

The Himachal Times
6-12-2021

Day 2-International Conference on 'Advances in Chemistry and Biology of Carbohydrates' held

DEHRADUN, DEC 5 (HTNS) The second day of the International Conference on 'Advances in Chemistry and Biology of Carbohydrates' (CARBO XXXV) was held virtually by Chemistry and Bioprospecting Division, Forest Research Institute (FRI), Dehradun and Association of Carbohydrate Chemists and Technologists, India (ACCTI).

There were three technical sessions which were comprised of three lectures, 14 oral and 88 poster presentations. Technical session III chaired by Dr. Vikas Rana began with the lecture of Dr. R.M. Mathur, Thapar Institute of Engineering &

Technology, Patiala in which he showcased nanocellulose as a promising reinforced material for the papermaking process. In the technical session IV chaired by Prof. K.P.R. Kartha, all together 14 oral presentations were made by young researchers in the thematic areas of synthesis, structure elucidation,chemical modification, carbohydrate-based synthesis of nanoparticle, bioprospecting and biorefinary aspects of carbohydrates; of which Manas Jana, University of Alberta, Alberta, Canada and Premeshworii Devi Mabam, IIT, Guwahati were awarded with 'Young Scientist award' for best paper presentation.

The technical session V chaired by Dr. Vasudev Singh, Dr. S.S. Bisht and Dr. K. Murli was dedicated to poster presentations in which total 88 posters were presented. Afterwards the Valedictory Session was conducted which was chaired by Prof. Naveen Khare, President, ACCT(I). The session involved feedback of some of the participants, remarks of ACCTI and finally valedictory speech by the chairman in which appreciated the endeavors of the organizers.

The Conference came to end with the vote of thanks proposed by Dr. Vineet Kumar, Organizing secretary of the conference.

Shah Times
6-12-2021

अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में कई विशेषज्ञों ने दिए व्याख्यान

शाह टाइम्स संवाददाता

देहरादून। रसायन एवं जैव पूर्वेक्षण प्रभाग, वन अनुसंधान संस्थान (एफआरआई), देहरादून और एसोसिएशन ऑफ कार्बोहाइड्रेट केमिस्ट्स एंड टेक्नोलॉजिस्ट्स की ओर से संयुक्त रूप से वर्चुअल मोड में आयोजित एड्वान्सेस इन केमिस्ट्री एंड बायोलॉजी ऑफ कार्बोहाइड्रेट्स पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन के रविवार को दूसरे दिन कुल तीन तकनीकी सत्र सम्पन्न हुए जिनमें तीन व्याख्यान, 14 मौखिक प्रस्तुति और 88 पोस्टर प्रस्तुति शामिल थे।

डॉ. विकास राणा की अध्यक्षता में आयोजित तीसरे तकनीकी सत्र की शुरुआत डॉ. आर.एम. माथुर, थापर इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी, पटियाला के व्याख्यान के साथ हुई, जिसमें उन्होंने नैनोसेल्युलोज को पेपरमेकिंग प्रक्रिया के लिए एक आशाजनक प्रबलित

वन अनुसंधान संस्थान में आयोजित एड्वान्सेस इन केमिस्ट्री एंड बायोलॉजी ऑफ कार्बोहाइड्रेट्स पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में हुआ तीसरा तकनीकी सत्र

सामग्री के रूप में प्रदर्शित किया। आईआईटी, दिल्ली के डॉ. नमक्कल जी. रमेश ने जानूस-फेस्ड होमोअजानुक्लेओसिदेस एंड स्टडी ऑफ देयेर सेल्फ आर्गेनाइजेशन थ्रू वाटसन-क्रिक एंड हुग्स्तिन बेस पैरिंग विषयक प्रस्तुति डी। डॉ. सौम्या रंजन पुरोहित, साउथ डकोटा स्टेट यूनिवर्सिटी, यूएसए ने अपनी प्रस्तुति में वी-टाइप स्टार्च क्रिस्टल और एंजाइम प्रतिरोधी स्टार्च टाइप वी के गुणों के बीच संबंधों को समझाया। प्रो. के पी आर कार्था की अध्यक्षता में सम्पन्न चोथे तकनीकी सत्र में संश्लेषण, संरचना व्याख्या, रासायनिक संशोधन, कार्बोहाइड्रेट आधारित नैनोकणों के संश्लेषण, बायोप्रोस्पेक्टिंग और कार्बोहाइड्रेट के बायोरिफाइनरी पहलुओं के विषयगत क्षेत्रों में युवा शोधकर्ताओं ने कुल मिलाकर 14 मौखिक प्रस्तुतियां दी, जिनमें से मानस जाना, अल्बर्टा विश्वविद्यालय, अल्बर्टा, कनाडा और प्रेमेश्वरी देवी मलबम, आईआईटी, गुवाहाटी को सर्वश्रेष्ठ पेपर प्रस्तुति के लिए यंग साईंटिस्ट अवार्ड से सम्मानित किया गया। डॉ. वासुदेव सिंह, डॉ. एस.एस. बिष्ट और डॉ. के. मुरली की अध्यक्षता में पांचवें तकनीकी सत्र के दौरान पोस्टर कुल 88 पोस्टर प्रस्तुत किए गए। उसके बाद समापन सत्र का आयोजन किया गया जिसकी अध्यक्षता प्रो. नवीन खरे, अध्यक्ष, एसीसीटीआई ने की। सत्र में कुछ प्रतिभागियों की प्रतिक्रिया, एसीसीटीआई की टिप्पणियां और अंत में अध्यक्ष ने समापन भाषण शामिल था जिसमें उन्होंने पूरे सम्मेलन की कार्यवाही पर अपनी टिप्पणी की और आयोजकों के प्रयासों की सराहना की। सम्मेलन के आयोजन सचिव डॉ. विनीत कुमार की ओर से धन्यवाद प्रस्ताव के साथ अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन का समापन हुआ।

Dainik Jagran
5-12-2021

कार्बोहाइड्रेट की उन्नति को नई तकनीक पर काम जरूरी

एफआरआइ

- **वर्चुअल सम्मेलन में विभिन्न देशों के विशेषज्ञ ले रहे हिस्सा**
- **नई तकनीक विकसित करने पर विशेषज्ञों ने दिया जोर**

जागरण संवाददाता, देहरादून: कार्बोहाइड्रेट की भूमिका व इसके तकनीकी विकास को लेकर वन अनुसंधान संस्थान (एफआरआइ) में दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन शुरू हुआ। वर्चुअल मोड में आयोजित सम्मेलन में अमेरिका, जर्मनी, इंग्लैंड, नीदरलैंड, पुर्तगाल समेत विभिन्न देशों के विशेषज्ञ हिस्सा ले रहे हैं।

शनिवार को सम्मेलन एफआरआइ के रसायन एवं जैव पूर्वेक्षण प्रभाग व एसोसिएशन आफ कार्बोहाइड्रेट केमिस्ट एंड टेक्नोलाजिस्ट के तत्वावधान में शुरू हुआ। इस अवसर पर भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद के महानिदेशक एएस रावत ने जीवन के विभिन्न आयाम में कार्बोहाइड्रेट की भूमिका पर प्रकाश डाला। उन्होंने यह भी कहा कि विशेषज्ञों को कार्बोहाइड्रेट की उन्नति के लिए नवीन तकनीक पर काम करने की जरूरत है। इसके लिए खरपतवारों का उपयोग कर तकनीक विकसित करने की सलाह दी गई। कार्यक्रम में एफआरआइ के वरिष्ठ विज्ञानी डा. विनीत कुमार, डा. पीएल सोनी आदि उपस्थित रहे।

उत्तराखंड की खबरें पढ़ने के लिए यहां पर क्लिक करें
https://www.jagran.com/state/uttarakhand

I-Next
5-12-2021

ग्लोबल सेमिनार में कार्बोहाइड्रेट पर चर्चा

PIC: DAINIK JAGRAN I NEXT

एफआरआई में सेमिनार, कई देशों के साइंटिस्ट व एक्सपर्ट्स ने रखे अपने विचार

dehradun@inext.co.in

DEHRADUN (4 Dec): आजादी के अमृत महोत्सव पर एफआरआई में एडवांसेज इन केमिस्ट्री एंड बायोलॉजी ऑफ कार्बोहाइड्रेट्स विषय पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन हुआ. दो दिवसीय सम्मेलन रसायन एवं जैव पूर्वेक्षण प्रभाग व एसोसिएशन ऑफ कार्बोहाइड्रेट्स केमिस्ट एंड टेक्नोलॉजिस्ट इंडिया की ओर से आयोजित हो रहा है. वर्चुअली इस सम्मेलन में यूएसए, जर्मनी, यूके, नीदरलैंड, पुर्तगाल जैसे कंट्रीज के अलावा देश के सीएसआईआर, आईआईटी, आईआईएसईआर व एफआरआई जैसे इंस्टीट्यूशंस के साइंटिस्ट व एक्सपर्ट्स ने पार्टिसिपेट किया.

चीफ गेस्ट भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद के डीजी एएस रावत ने तमाम आयामों में कार्बोहाइड्रेट की भूमिका व औद्योगिक महत्व के बारे में जानकारी शेयर की. उन्होंने साइंटिस्ट व टेक्नोलॉजिस्ट्स से न केवल कार्बोहाइड्रेट की उन्नति के लिए तकनीक डेवलप करने पर जोर दिया.

The Hawk
5-12-2021

Int'l Conf On 'Advances In Chemistry And Biology Of Carbohydrates' Inaugurated

Dehradun (The Hawk): In commemoration of 75th year of India's Independence (Azadi ka Amrit Mahotsav), an International Conference on 'Advances in Chemistry and Biology of Carbohydrates' (CARBO XXXV) is being organized in virtual mode during 4th to 5th December 2021 jointly by Chemistry and Bioprospecting Division, Forest Research Institute (FRI), Dehradun and Association of Carbohydrate Chemists and Technologists, India (ACCTI). More than 250 participants including scientists from laboratories of FRI, CSIR, IIT, IISER and academic institutions of India, and USA, Germany, UK, The Netherlands, and Portugal are participating in the Conference. The conference was inaugurated today by the Chief Guest Shri, A.S. Rawat, Director General, Indian Council of Forestry Research & Education, Dehradun. Addressing the theme of the Conference, he emphasized the role of carbohydrates in various facets of life including food and medicine and their industrial importance. Shri Rawat also stressed upon developing new technologies for value added utilization of weeds, so as to protect the forest and generate sorce of livelihodd for the people. Narrating about the challenges being identified in the field, he further called upon the scientists and technologists not only to develop innovative tools and techniques for advancement of carbohydrates but also to foster cross-disciplinary scientific interactions and collaborations to create infinite opportunities for serendipitous ideas and gain inspiration for innovations for welfare of the society and economic development of the nation. He also appreciated the collective efforts of Chemistry and Bioprospecting Division, Forest Research Institute, Dehradun and ACCTI for organizing the Conference in the interest of scientists, technologists and industrialists. Prof. K.P.R. Kartha, Adviser of the ACCTI mentioned about the activities of ACCTI. The inaugural session started with the welcome address of Dr.Vineet Kumar, Scientist-G, Chemistry and Bioprospecting Division, FRI and organizing secretary of the Conference and gave an account of technical sessions. Dr. P.L. Soni, Chief Editor, 'Trends in Carbohydrate Research (TCR)' and Chief Advisor, ACCTI briefed about the Journey of the journal TCR. On this occasion, the 'Abstract Book' of the Conference was also released by the Chief Guest. The session was ended with the vote of thanks proposed by Dr. Y.C. Tripathi, Head, Chemistry and Bioprospecting Division, FRI. The anchor of the programme was Ms. Rishika Gularia, research scholar, Chemistry and Bioprospecting Division, FRI.

The first day of the event witnessed two technical sessions wherein 10 invited lectures and 4 short lectures were delivered by the esteemed speakers from India, USA, Germany, the Netherlands and Portugal. Technical session I was chaired by Prof. K.P.R. Kartha and Dr. V.K. Varshney was began with the talk by Dr. Vineet Kumar who presented an overview of the carbohydrate research conducted at FRI, Dehradun. Prof. Xi Chen from the University of California-Davis, USA discussed the chemoenzymatic synthesis and applications of carbohydrates and glycoconjugates. Prof. Balaram Mukhopadhyay, IISER, Kolkata, in his talk on 'Carbohydrates: The Sweet World' discussed total synthesis of oligosaccharides of bacterial origin. Dr. Sagarika Biswas, CSIR-IGIB, New Delhi discussed identification and validation of different glycoproteins for treatment of Arthritis. An account of synthesis and therapeutic potential of carbohydrate based molecules was given by Prof. Anup Kumar Misra, Bose Institute, Kolkatta. Polysacchride's role in bridging gut and brain functions was discussed by Dr. Harish Parshanth, CSIR-CFTRI, Mysore. Technical session 2 chaired by Dr. Vineet Kumar and Dr. Amit Bhatt was started with the lecture of Prof. Dr. Peter H. Seeberger, from Max-Planck Institute for Colloids and Interfaces, Germany and Editor in Chief, Beilstein Journal of Organic Chemistry wherein he elaborated the structure and function of synthetic polysaccharides and glycopeptides. Prof. M. Carmen Galan, University of Bristol, UK and Editor-in Chief, Carbohydrate Research spoke on Novel glycan-based fluorescent nanoprobes for biological applications. Dr. Debrata Baishya from Guwahati University, Guwahati told about the efficient utilization of Bacillus licehniformis from hot-spring for cellulase production and generation of bioethanol from algal waste. Dr. S. Rajasekhara Reddy, VIT University, Vellore, discussed the prospects of nature-inspired sugar-based ionic molecules for sustainable future. Prof. Roland J. Pieters, Utrecht University, Utrecht, The Netherlands talked about the use of multivalent carbohydrates against pathogenic targets. Prof. Manuel A. Coimbra, University of Aveiro, Portugal and Editor-in Chief, Carbohydrate Polymers showed the potential of food industry byproducts as a source of polysaccharides for sustainable and added value applications. An account of properties, and evaluation of Indian flax fibre for application in textile was given by Dr. Kartick K. Samanta from ICAR-NINFET Kolkata. The session ended with the presentation on 'Putting cellulose from bacteria and plants to work' given by Prof. Richard A. Gross, Rensselaer Polytechnic Institute, USA.

Rashtriya Sahara
5-12-2021

एफआरआई में दो दिनी अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन शुरू

■ सहारा न्यूज ब्यूरो

देहरादून।

आजादी के अमृत महोत्सव पर आयोजित किया जा रहा सम्मेलन

कार्बोहाइड्रेट की भूमिका और इसके औद्योगिक महत्व पर मंथन

भारत की स्वतंत्रता के 75 वर्ष (आजादी का अमृत महोत्सव) पर वन अनुसंधान संस्थान में दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित किया जा रहा है। रसायन एवं जैव पूर्वेक्षण प्रभाग व एसोसिएशन ऑफ कार्बोहाइड्रेट केमिस्ट एंड टेक्नोलॉजिस्ट ऑफ इंडिया के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित सम्मेलन शनिवार को शुरू हुआ।

वर्चुअल मोड पर आयोजित सम्मेलन का शुभारंभ भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद के महानिदेशक एएस रावत ने किया। सम्मेलन में सीएसआईआर, आईआईटी, आईआईएसईआर, आईसीएआर, एफआरआई के अलावा यूएसए, जर्मनी, यूके, नीदरलैंड, पुर्तगाल आदि देशों के 250 से अधिक प्रतिभागी भाग ले रहे हैं। सम्मेलन का उद्घाटन करते हुए महानिदेशक एएस रावत ने जीवन के विभिन्न आयामों में कार्बोहाइड्रेट की भूमिका व इसके औद्योगिक महत्व को रेखांकित किया।

उन्होंने वैज्ञानिकों व प्रौद्योगिकीविदों से कार्बोहाइड्रेट की उन्नति के लिए नवीन तकनीक विकसित करने का आह्वान किया। इसके साथ ही इसके लाभ के लिए अनंत अवसर पैदा करने के लिए क्रस डिसिप्लिनरी वैज्ञानिक विचार-विमर्श व सहयोग पर भी बल दिया।

खरपतवारों के उपयोग के लिए नवीन तकनीकों के विकास पर भी उन्होंने जोर दिया। कहा कि इससे हमारे वन सुरक्षित रहने के साथ ही लोगों की आजीविका भी बढ़ेगी। इससे पहले वरिष्ठ वैज्ञानिक डा. विनीत कुमार ने सम्मेलन में प्रतिभाग कर रहे विशेषज्ञों का स्वागत किया।

एसीसीटीआई के सलाहकार प्रोफेसर केपीआर करथा ने विभिन्न गतिविधियों पर विस्तार से प्रकाश डाला। डा. पीएल सोनी ने टीसीआर जर्नल के बारे में जानकारी दी।

इस अवसर पर सम्मेलन से संबंधित सार पुस्तक का विमोचन भी किया गया। पहले दिन हुए दो तकनीक सत्रों में भारत, अमेरिका, जर्मनी, नीदरलैंड व पुर्तगाल के विशेषज्ञों ने दस आमंत्रित व्याख्यान व चार लघु व्याख्यान दिए। रसायन विज्ञान प्रभाग के प्रमुख डा. वाईसी त्रिपाठी ने धन्यवाद ज्ञापित किया।

सम्मेलन में पुस्तक का विमोचन करते मुख्य अतिथि एएस रावत व अन्य।

The Pioneer
5-12-2021

Two-day int'l conference begins at FRI

PNS ■ DEHRADUN

As part of the Azadi ka Amrit Mahotsav, a two-day international conference on advances in chemistry and biology of carbohydrates (CARBO XXXV) being organised in virtual mode was inaugurated at the Forest Research Institute (FRI) here on Saturday.

More than 250 participants including scientists from laboratories of FRI, CSIR, IIT, IISER and academic institutions of India, and USA, Germany, UK, The Netherlands and Portugal are participating in the Conference.

The conference was inaugurated today by the Indian Council of Forestry Research and Education director general AS Rawat.

Speaking on the occasion, he emphasised the role of carbohydrates in various facets of life including food and medicine and their industrial importance. Rawat also stressed upon developing new technologies for value added utilisation of weeds so as to protect the forests and generate source of livelihood for the people.

Speaking about the challenges being identified in the field, he further called upon the scientists and technologists not only to develop innovative tools and techniques for advancement of carbohydrates but also to foster cross-disciplinary scientific interactions and collaborations to create infinite opportunities for serendipitous ideas and gain inspiration for innovations for welfare of the society and economic development of the nation.

The first day of the event witnessed two technical sessions wherein 10 invited lectures and four short lectures were delivered by the speakers from India, USA, Germany, The Netherlands and Portugal.